INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

इस दिशा में बैठकर ना पढ़े हनुमान चालीसा

By : Editor Published On : 8 Nov, 2020 06:11 AM IST

हनुमान जी को किस्मत चमकाने वाला भी कहा जाता हैं. एक बार जिन्हें इनका आशीर्वाद प्राप्त हो जाए फिर उनका भाग्य उफान मारने लगता हैं. उनके सभी कार्य बिना किसी परेशानी के संपन्न हो जाते हैं. इसके साथ ही हनुमान जी भुत प्रेत और अन्य दुश्मनों से भी रक्षा का काम करते हैं. हनुमान जी का आशीर्वाद हासिल करने के लिए लोग कई तरह के जतन करते हैं. जैसे हनुमान आरती करना, उन्हें चोला चढ़ाना, प्रसाद चढ़ाना या हनुमान चालीसा पढ़ना. हनुमान जी के सामने बैठ हनुमान चालीसा पढ़ने का काफी महत्व होता हैं. इसके बिना हनुमान जी की पूजा अधूरी होती हैं. इसलिए आप ने मंदिरों या घरो में कई भक्तों को हनुमान चालीसा पढ़ते देखा होगा. या आप में से बहुत से लो भी इसे पढ़ते होंगे.
ऐसा कहा जाता हैं कि जो व्यक्ति हर मंगलवार हनुमान चालीसा का पाठ करता हैं उसके जीवन में दु:ख और परेशानियाँ ना के बारबार होती हैं. हालाँकि इस हनुमान चालीसा को पढ़ते समय कुछ बेसिक चीजों का भी ध्यान रखना जरूरी होता हैं. मसलन जब भी आप हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो किस दिशा में बैठ कर इसे पढ़ते हैं ये काफी मायने रखता हैं. यदि आप सही दिशा में बैठ इसे नहीं पढ़ते हैं तो आपको इसका पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता हैं. इसी बात को ध्यान में रखते हुए आज हम आपको उस विशेष दिशा के बारे में बताने जा रहे हैं जहाँ बैठ आपको कभी भी हनुमान चालीसा का पाठ नहीं करना चाहिए.

इस दिशा में बैठकर ना पढ़े हनुमान चालीसा, नहीं मिलता हैं पूर्ण लाभ

दोस्तों जब भी आप बजरंगबली की पूजा पाठ के बाद हनुमान चालीसा का पाठ करे तो भूलकर भी दक्षिण दिशा में बैठ इसका पाठ ना करे. ऐसा कहा जाता हैं कि दक्षिण दिशा में सबसे अधिक नेगेटिव एनर्जी होती हैं. इसलिए जब आप इस दिशा में बैठ हनुमान चालीसा पढ़ते हैं तो आपके अंदर नेगेटिविटी आने के चांस अधिक रहते हैं. इसलिए आपको हमेशा इस स्थिति को नज़रअंदाज़ करना चाहिए. दक्षिण दिशा छोड़ आप किसी भी दिशा में बैठ हनुमान चालीसा का पाठ कर सकते हैं. वहां आपको इसका पूर्ण लाभ जरूर मिलेगा.PLC.

URL : https://www.internationalnewsandviews.com/इस-दिशा-में-बैठकर-ना-पढ़े-हन/

Copyright © 2009 - 2019 International News and Views Corporation. All rights reserved.

www.internationalnewsandviews.com